CSK H.P. Agriculture University, Palampur 176062
Public Relations Unit जन–सम्पर्क ईकाई
Tel. 01894-283108 Email: hirday@hillagric.ac.in www:hillagric.ac.in No. QSD/PRU/ 88 Dated: 18 December, 2015
PRESS RELEASE प्रैस विज्ञप्ति

चौधरी सरवण कुमार हि.प्र. कृषि विश्वविद्यालय में संरक्षित खेती पर कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम

पालमपुर 18 दिसम्बर। चौधरी सरवण कुमार हि.प्र. कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत प्रदेश कृषि विभाग के कृषि अधिकारियों के लिए **'हिमाचल प्रदेश में सब्जी–वर्गीय फसलों हेतु संरक्षित खेती में तकनीकी व्यवस्थाओं'** पर दो दिवसीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम आज यहां आरम्भ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्यातिथि कुलपति डा. के. के. कटोच ने कहा कि संरक्षित खेती के लिए निर्मित पॉलीहाउस के मुरम्मत व रखरखाव हेतु विश्वविद्यालय ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है। डा. कटोच ने इस अवसर पर जानकारी दी कि पूरे विश्व में इस समय दो करोड़ हैक्टेयर, भारत में 25,000 हैक्टेयर तथा हिमाचल प्रदेश में लगभग 350 हैक्टेयर क्षेत्र में संरक्षित खेती की जा रही है। अतः वैज्ञानिकों को संरक्षित खेती के क्षेत्र में अनुसन्धान व विकास को आगे बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होगा ताकि जल संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से हो तथा उपलब्ध पानी से अधिक से अधिक उत्पादन लिया जा सके। डा. कटोच ने अनुसन्धान व विकास के कुछ विशेष घटकों जैसे प्रकाश, तापमान, आद्रता तथा कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा में वांछित सुधार लाने की आश्यकता पर भी बल दिया। संरक्षित खेती में कीट एवं पादप रोग नियन्त्रण हेतु अंधाधुंध रसायनों के प्रयोग न कर सुरक्षित उत्पादन पर विशेष बल दिया। ठण्डे एवं बर्फ वाले क्षेत्रों में पॉलीहाउस तकनीकी में आवश्यक परिवर्तन कर उन्हें पूरे वर्ष उपयोग में लाने के लिए कार्य करने के लिए कहा।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रदेश कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डा. हरबंस राणा ने कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में पॉलीहाउसों का रखरखाव सही तरीके से नहीं हो रहा है जिसे सुधारने के लिए फील्ड में कार्य कर रहे अधिकारियों को विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर शोध निदेशक डा. एस. एस. कंवर ने चौधरी सरवण कुमार हि.प्र. कृषि विश्वविद्यालय में संरक्षित खेती पर चल रहे शोध कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रसार शिक्षा निदेशक डा. अतुल ने विभिन्न जिलों में संरक्षित खेती पर हो रहे कार्यों तथा उपलब्धियों की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने जानकारी दी कि बिलासपुर जिला इस समय पॉलीहाउस में संरक्षित खेती करने वाला अग्रणी जिला है। कृषि अर्थशास्त्र विभाग प्रदेश के प्रधान वैज्ञानिक डा. के. डी. शर्मा ने आंकड़ों सहित विभिन्न जिलों में संरक्षित खेती के परिदृश्य पर प्रस्तुति दी।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के डीन डा. पी. के. मेहता करेंगे। दो दिवसीय इस कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक कीट विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डा. अजय सूद हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के संविधिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।